Str. 1257, 44. Calc. Ausg. D. und E. Ale. st. Aie Scholien wie wir.

Str. 1259, 49. Calc. Ausg. पाउता । — Die Scholien: = ग्राडा-कर्षणियोग्य। — पाउतायोग्य इत्येके। — 51. Calc. Ausg. und D. इड्डो, B. E. und die Scholien: इड्डो, mit dem Beisatz: इला इत्येके। — Die Scholien: शाडा प्रा । — Calc. Ausg. पंठावृथामद्करोक्तः, die Scholien wie wir.

Str. 1260, 55. Die Scholien: क्लविष्टित्यर्थ: । दमनाय योजित इत्येके। Str. 1263, 60. Calc. Ausg. धुर्वत्रे। — 62. Die Scholien: स्यूरीत्य-न्ये। — Calc. Ausg. D. und E. पृष्टापृष्ठवाद्या।

Str. 1264, 65. Die Scholien: ककुत्ककुद्विप 1 .32 1821 .118

Str. 1265, 69. Calc. Ausg. D. und E. 中記 st. 中記, die Scholien wie wir.

Str. 1266, 72. Die Scholien: सा गी: श्रवलादिभिर्वणीर्नेकभेदा सन् वित । यथा श्रवली धवलेत्यादि । स्व अवस्थित को हिंदी स्वर्ध

Str. 1268, 80. Calc. Ausg. 4787, die Scholien wie wir.

Str. 1270, 88. Calc. Ausg. und E. द्वायबन्धक: 1

D. und E.)।

Str. 1271, 93. Die Scholien: विन्हला ।

Str. 1272, 94. Calc. Ausg. चतुर्ह्वेहा द्येकहा । — 96. Die Scholien: भूपवित्रमपि कर्म क्षेत्र क्षेत्र कर्म क्षित्र कर्म क्षेत्र करिया क्षेत्र करिया क्षेत्र करिया क्षेत्र कर्म कर्म करिया क्षेत्र करिया करिया क्षेत्र करिया क्षेत्र करिया कर

Str. 1273, 97. Calc. Ausg. D. und E. तत्र प्रुष्के तु। — Calc.
Ausg. करीषश्रक्राणे । जिल्हा को स्थानिक कार्या कर्मा करिया कर्मा करिया करि